an>

Title: Regarding removal of the statue of freedom fighter Vir Sawarkar in Andaman Nicobar.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने आज मुझे सदन में गहरी वेदना प्रकट करने की अनुमति दी। हाल ही में मैं अंडमान गया था। यहां अभी शहीदों की बात हो रही थी। जिन शहीदों की वजह से हमें स्वतंत्रता मिली, हमारे देश में उनको आज भी जो सम्मान मिलना चाहिए, वह नहीं मिल रहा है। जब हम अंडमान गए तो पता चला कि जिन स्वतंत्रता सैनानियों ने आजादी की लड़ाई लड़ी और सबसे ज्यादा सैनानी काले पानी की सजा में अंडमान में थे। इनमें एक सैनानी स्वतंत्र वीर विनायक दामोदर सावरकर थे। मैं जब वहां पहुंचा, पूर्व सरकार के मंत्री माननीय राम नाईक जी, जो अभी गवर्नर हैं, उन्होंने वहां सावरकर जी के सम्मान में कविताओं की पंक्तियां प्लेक के नाम पर लगाई थी। वह पंक्तियां थीं -

'की घेतले न व्रत हे आम्ही अंधतेने

लब्ध प्रकाश इतिहास निसर्गमाने।।

जे दिव्य दाहक म्हणूनी असावयाचे

बुद्धयाची वाण धरिले करी हे सतीचे।।'

व्रत लेकर उन्होंने कहा -

'जयोस्तुते! जयो! श्री महन्मंगले शिवास्पदे शुभदे

स्वतंत्रते भगवती त्वां अहं यशोयुतां वंदे।।'

जब उन्हें फ्रांस में अरैस्ट किया गया था, तब उन्होंने कहा था -

'ने मजसी ने परत मातृभूमीसा

सागरा प्राण तलमलला।।'

इनकी सरकार ने ऐसे स्वतंत्रता सैनानी का प्लेक वहां से हटाया था। हमारी सरकार ने कहा था कि उसे हम लगाएंगे, लेकिन आज अंडमान की जेल में स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी के कहीं भी यह कवन नहीं लगाया गया है, इसे लगाने की मैं प्रार्थना करता हूँ। मेरी एक और प्रार्थना है कि वहाँ लाइट एंड साउंड का एक प्रोग्राम वर्ष 1989 में शुरू किया गया था। वह भी बिल्कुल निराशाजनक है। मैंने पूछा कि यह ऐसा क्यों है? इससे हमें ऊर्जा मिलनी चाहिए। हमारी युवा पीढ़ी को पता चले कि कैसे लोग थे, उन्होंने कितना अन्याय बर्दाश्त किया। जब कोर्ट से उन्हें आजीवन कारावास की सज़ा हुई तो श्री सावरकर जी से कोर्ट ने पूछा कि 50-50 साल की दो बार आजीवन कारावास की सज़ा हुई है, सौ साल की सज़ा हो गयी है, क्या इतना जीओगे! उन्होंने कहा- क्या इतने वर्षों तक आपकी सरकार वहाँ रहेगी, आपकी सत्ता रहेगी? ऐसे लोग जो हमारे नये पीढ़ी के लिए ऊर्जा बन सकते हैं, उनके बारे में मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करता हूँ कि सरकार जल्द से जल्द वहाँ प्लाक लगाये और उसी तरह से साउंड एंड लाइट के प्रोग्राम को एक ऊर्जादायी और प्रेरणादायी प्रोग्राम बनाया जाए।

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : **माननीय अध्यक्ष महोदया, मुझे श्री अरविन्द सावंत जी द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाए।**

माननीय अध्यक्ष **:**

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र तथा

श्री गोपाल चिनय्या शेट्टी को श्री अरविन्द सावंत जी द्वारा उठाये गये विषय से सम्बद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।